***Date*:** 11-08-20
***Publication*:** Dainik Bhaskar
***Edition*:** Dhanbad

सुरक्षा के साथ-साथ गुणवतायुक्त कोयले का उत्पाद करें: चेयरमैन

कोल इंडिया चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल ने की समीक्षा

धनबाद | कोल इंडिया चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल ने उत्पादन के साथ डिस्पैच बढ़ाने का सभी कंपनियों के सीएमडी को निर्देश दिया। वे सोमवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सीएमडी मीट में बीसीसीएल समेत कोल इंडिया की सभी अनुषंगी इकाइयों की समीक्षा कर रहे थे। चेयरमैन ने कहा कि कोरोना और बरसात को ध्यान मे रखते हुए सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए गुणवतायुक्त कोयले का उत्पाद करें। डिस्पैच बढ़ाने पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वाशरियों के निर्माण में तेजी लाने का निर्देश देते हुए कहा कि स्टील प्लांटों को मांग के अनुरूप वाश कोयला उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। वित्तीय वर्ष के शेष बचे महीनों में लक्ष्य पूरा करने के लिए सभी के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता पर बल दिया। सीएमडी पीएम प्रसाद ने चेयरमेन को बताया कि मार्च के बाद उत्पादन और डिस्पैच में बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने पावर कंपनियों से बकाया वसूली में चेयरमैन से सहयोग की अपील की। कहा, रियलाइजेशन में कमी के कारण कंपनी के समक्ष वित्तीय समस्या बढ़ गई है। चेयरमैन ने इसमें सहयोग का आश्वाशन दिया। सीएमडी मीट में चेयरमेन के अलावा कोल इंडिया के डीटी, डीपी, सीएमडी पीएम प्रसाद, डीटी राकेश कुमार, डीटी चंचल गोस्वामी, डीपी पीवीकेआर मल्लिकार्जुन राव, डीएफ समीरन दत्ता आदि मौजूद थे।

***Date*:** 12-08-20
***Publication*:** Dainik Jagran
***Edition*:** Dhanbad

नई परियोजनाओं पर ध्यान दे कोल इंडिया : कोयला मंत्री

जासं, धनबाद : कोल इंडिया में 80 प्रोजेक्ट निर्माणाधीन हैं। इन्हें समय पर पूरा करें। नई परियोजनाओं की समय-समय पर मॉनिटरिंग करते रहें ताकि लॉकडाउन समाप्त होते ही अधिकतम परियोजनाओं से उत्पादन का लक्ष्य हासिल किया जा सके। ये निर्देश कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कोल इंडिया पदाधिकारियों को ऑनलाइन मीटिंग में दिए। मंगलवार को कोल इंडिया डैशबोर्ड के माध्यम से कोल इंडिया और बीसीसीएल समेत उसकी सभी सहायक कंपनियों की समीक्षा कर रहे थे। गुणवत्तायुक्त कोयले का उत्पादन करते हुए निर्धारित लक्ष्य को हर हाल में पूरा करने को कहा। बैठक में मंत्री के अलावा कोयला सचिव अनिल कुमार जैन, कोल इंडिया चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल, बीसीसीएल सीएमडी पीएम प्रसाद और डायरेक्टर उपस्थित थे।

***Date*:** 13-08-20
***Publication*:** The Telegraph
***Edition*:** Guwahati

CIL wants rail tariff relief

ASTAFF REPORTER

Calcutta: Coal India has urged Indian Railways to offer it a 15 per cent freight concession to transport domestic coal for a distance of 701-1400 kilometres (km) from its mines.

In June, the Railway Board had decided to grant a 20 per cent concession on freight price for a distance of more than 1400 km on the transportation of coal.

The concession is on normal tariff rates, provided that after applying the concession, the freight price should not be less than the tariff rate for a distance up to 1400 km. This concession is valid from July 2020 to June 30, 2021.

But Coal India officials on Wednesday said that there was a case for widening the scope of concession as only a handful of consumers in the power sector, which constitutes the bulk of the public sector miner's offtake, are eligible to get the benefits.

Of the 126 coal-based thermal power plants linked to Coal India, 14 plants located beyond 1400 km are eligible for freight concession at present.

COAL CALL

- Current relief for distance more than 1,400km
- Only 14 of 126 power customers of CIL enjoy benefit
- Other power firms are located within 1,400km, prompting latest request to railways

Moreover, these plants have supply contracts of only 42 million tonnes of coal per annum. Six non-power consumers who would benefit from the present concession have annual coal contracts of 1.37 mt per annum.

Once the concession is extended, it will boost Coal India's offtake, which has been hit by the Covid-19 pandemic, and also encourage import substitution. "Extension of freight concession to customers located in the range of 701-1400 km could result in substantial domestic coal lifted by them in place of coal sourced from abroad due to lesser cost of coal conveyance," said a senior Coal India executive.